पाठ 15. चालाक लोमड़ी

इस पाठ को अध्यापक/अध्यापिका जब कक्षा में पढ़कर सुनाएँगे तो इससे बच्चों के श्रवण कौशल का विकास होगा। पाठ पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों से पाठ पर आधारित प्रश्न पूछने से उनके श्रवण कौशल को आँका जा सकेगा।

इस कहानी से बच्चों को सूझ-बूझ से कैसे काम लिया जा सकता है, यह बताया जाएगा। लोमड़ी के चरित्र के माध्यम से बच्चे स्वयं को लोमड़ी जैसे झूठे और स्वार्थी लोगों से बचाना सीखेंगे। इस कहानी को पढ़ने से भाषा के प्रति रुचि जागेगी। इससे बच्चों का वाचन करने का अभ्यास भी होगा। बच्चों को कहानी हाव-भाव सहित सुनाने को भी कहें।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को ध्यान से कहानी सुनने के लिए कहें।
- एक-एक शब्द स्पष्ट व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़े जाएँ।
- पढ़ते समय गति धीमी हो, इसका ध्यान रखें।
- बच्चों पर भी ध्यान रहे कि वे आपके द्वारा किया वाचन समझ पा रहे हैं या नहीं।
- बच्चों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- प्रश्नों के उत्तर वे चर्चा के बाद दे सकते हैं।

इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उनके द्वारा कहानी सुनने से उनकी संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। कहानी को सुनने, उत्तर देने के लिए आपसी चर्चा करने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।